

## सर्वनाम

सर्वनाम शब्द दो शब्दों के मेल से बना है-सर्व + नाम। सर्व का अर्थ है सबका। अतः सर्वनाम का अर्थ है-सबका नाम।

जो शब्द संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, वे सर्वनाम कहलाते हैं। जैसे-मैं, हम, तू, तुम, यह, वह, कोई, कुछ, कौन, क्या, सो आदि सर्वनाम शब्द हैं। अन्य सर्वनाम शब्द भी इन्हीं शब्दों से बने हैं, जो लिंग, वचन, कारक की दृष्टि से अपना रूप बदलते हैं।

सर्वनाम शब्द स्त्रीलिंग तथा पुल्लिंग दोनों में समान रहते हैं।

लड़का - वह जा रहा है।

लड़की - वह जा रही है।

सर्वनाम के एकवचन तथा बहुवचन रूप होते हैं।

एकवचन - मैं, तू, वह, यह, इसे, उसे

बहुवचन - हम, आप, वे, ये, इन्हें, उन्हें।

### सर्वनाम शब्द के भेद

सर्वनाम के निम्नलिखित छह भेद होते हैं।

1. पुरुषवाचक सर्वनाम
2. निश्चयवाचक सर्वनाम
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
4. संबंधवाचक सर्वनाम
5. प्रश्नवाचक सर्वनाम
6. निजवाचक सर्वनाम।

**1. पुरुषवाचक सर्वनाम** - जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग बोलने वाले, सुनने वाले या अन्य व्यक्ति के लिए किया जाता है, वे पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे-मैं, तुम, वह आदि। उदाहरण के रूप में

- मैं सोने जा रहा हूँ।
- तुम्हारा नाम क्या है?
- वह कल जाएगा।

पुरुषवाचक सर्वनाम तीन प्रकार के होते हैं

1. उत्तम पुरुष मैं (बोलने वाला अपने लिए)
2. मध्यम पुरुष तुम (सुनने वाले के लिए)
3. अन्य पुरुष वह (अन्य सभी के लिए)

**(1) उत्तम पुरुष** - सर्वनाम का वह रूप जिससे किसी बात को कहने वाले का बोध हो तो उसे उत्तम पुरुष कहते हैं—तुम, | तू, आप, हम, मेरा, हमारा, हमें। जैसे-मैं कल जयपुर जाऊँगा। मुझे तुम्हारी पुस्तक चाहिए। हम घूमने जा रहे हैं। मुझे तुम्हारी घड़ी चाहिए।

**(2) मध्यम पुरुष** - इस सर्वनाम शब्द का प्रयोग सुनने वाले श्रोता के लिए किया जाता है; जैसे— तुम, तू, आप, तेरा, तुम्हारा। तुमसे कुछ काम है। तुम्हारे पिताजी क्या काम करते हैं।

**(3) अन्य पुरुष** - जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग बोलने वाले और सुनने वाले व्यक्ति के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति के लिए किया जाए, उन्हें अन्य पुरुष कहते हैं; जैसे-वह, वे, उसे, उसका, उनके आदि।

- उन्हें रोको मत, जाने दो।
- वे फुटबॉल खेल रहे हैं।